भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-17 अंक-10 | वि. स. 2078 | युगाब्द 5123 | दिसम्बर-2021 | डिजिटल संस्करण

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

मार्गदर्शक :
- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :
- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :
- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :
- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :
- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

जन्म - 22 अप्रैल 1887 निधन - 26 अप्रैल 1920

श्रीनिवास रामानुजन्

श्रीनिवास रामानुजन, थे गणितज्ञ महान।
उनकी प्रतिभा बुद्धि को, मिला जगत में मान।।
विश्व प्रसिद्ध विद्वान भी, लेते उनका नाम।
आओ श्रद्धा भाव से, हम भी करें प्रणाम।।

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रु. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित विश्राम सदन में भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

स्वतन्त्रता' से आशय है: अपना, अपने पर, अपने लिए शासन। 'शासन' का अर्थ है शास्त्र या विधान के अनुसार चलना। इस तरह स्वेच्छा से नियम पालन करते हुए जीना 'स्वतन्त्रता' है। ऐसी ही स्वतन्त्रता का वर्णन हमारी प्राचीन संस्कृति में है। सारी प्रजा धर्मानुसार आचरण करते हुए परस्पर एक दूसरे की रक्षा करती थी, परन्तु कालान्तर में हम दिक्भ्रमित हुए। सदियों तक विदेशी आक्रांताओं शक, हूण ,कुषाण आदि मुगल शासकों तथा अंग्रेजों के अधीन परतंत्र रहे। सदियों परतन्त्रता की शृंखलाओं में जकड़े हुए भारतीयों का मन-मस्तिष्क और शरीर कुछ भी अपना नहीं रहा। गुलामी में जीवन जीने की आदत सी पड़ गई थी। गुलामी के अंधेरे से स्वतंत्रता के प्रकाश में आने की यात्रा लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों की रही है।

स्वतंत्र भारत की खुली हवा में सांस लेती युवा पीढ़ी के लिए स्वतंत्रता के अर्थ और गौरव को समझना है। आजादी की बलिवेदी पर अपना समस्त जीवन होम कर देने वाली पूर्वजों की पीढ़ी ने जो सपने देखे थे, उन्हें ही लक्ष्य मानकर अपना कैरियर, व्यवसाय, घर-परिवार और व्यक्तिगत हित आकांक्षाएँ सब छोड़कर भारत को आजाद कराने निकल पड़े थे। स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा देखे गए सपनों के 75 वर्षों को समझने और अपनी भूमिका पर विचार करने का आह्वान करता हुआ एक पवित्र अवसर है।

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव आजादी के संघर्ष में उत्पन्न हुई ऊर्जा से स्वयं को फिर से ऊर्जित करने और उन ऊर्जा स्रोतों के प्रति कृतज्ञ होने का क्षण है। यह भारतीय होने के असीम गौरव बोध का उत्सव है। अपनी गौरवशाली परंपराओं और संस्कृति की जड़ों से पोषित होकर नवपल्लवित होने, भारत के पुनर्निर्माण की तैयारी का उद्घोष है। परतंत्रता का कारण रही अपनी कमियों और गलतियों से सीखने और 75 वर्षों में भारत की उपलब्धियों पर अभिमान करने का और उसे निरंतर आगे बढ़ाने की योजना का पर्व है। इन वर्षों में भारत के परम वैभव में अवरोध बनी अपनी न्यूनताओं को भस्मीभूत करने के साथ नवीन संकल्प और विचारों का अग्निहोत्र आमंत्रण कर स्वयं के साथ सुराज्य के सपने को पूरा करने और वैश्विक शांति एवं विकास का महोत्सव है। स्वतंत्रता के सही बोध के साथ स्वयं की पहचान कर अपनी सुप्त शक्तियों के जागरण का एक निर्णायक समय है। कहा गया है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है, जब वो अपने अतीत के अनुभव और विरासत के गर्व से जुड़ा रहता है। किसी भी देश के विकास के लिए अतीत के अनुभव, वर्तमान का ज्ञान और भविष्य के प्रति दृष्टि आवश्यक तत्व माने गए हैं। भारत के पास तो गर्व करने के लिए लम्बी सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध इतिहास है। इतिहास के हर पन्ने पर वीरता, देशभक्ति और शहीद हो जाने की गाथाएं अतीत से साक्षात्कार करा रही हैं। यदि यह कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आजादी के 75 वर्ष का ये अवसर एक अमृत की तरह हमारी वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त होगा। एक ऐसा अमृत जो हमें प्रतिपल देश के लिए जीने और कुछ करने के लिए प्रेरित करेगा। वस्तुतः स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव का यह अवसर उन बलिदानियों, देशभक्तों तथा जीवन के विविध क्षेत्रों में राष्ट्र को विकास की ओर ले चलने में सतत सक्रिय-गतिशील रहें हैं उन सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का अवसर है जिनके त्याग और बलिदान के कारण ही हम स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जागतिक समुदाय में अपना यथोचित स्थान प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

मंगल कामनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

-शिव

महामना शिक्षण संस्थान

महामना शिक्षण संस्थान के प्रथम बैच के बच्चों ने लहराया परचम

महामना शिक्षण संस्थान की स्थापना 19 जनवरी 2019 को अर्जुनगंज स्थित भाऊराव देवरस न्यास के भू-खण्ड पर हुई तथा इसी सत्र में माननीय डॉ. कृष्णगोपाल जी के निर्देनुसार दस बच्चों का चयन करके अनुभव प्राप्त करने हेतु प्रकल्प प्रारम्भ किया गया जिसमें 7 बच्चे IIT (JEE) तथा 3 छात्र NEET (PMT) के लिए चयन करके प्रारम्भ किया गया।

Name	Father Name	Place	No of %	occupation	college	Branch
अनुभव मिश्रा	श्री सूर्य कुमार मिश्रा	उन्नाव	94.78	मजदूरी	HBTU Kanpur	Electronic
अनुराग गौतम	श्री अशोक कुमार	काकोरी	95.67	किसान	NIT Delhi	Computer science
शिवेन्द्र मौर्य	श्री जितेन्द्र कुमार	लालगंज, रायबरेली	86.47	मजदूरी	MMM TU Gorakhpur	Engineering
सूरज यादव	श्री ज्ञान चन्द्र यादव	अम्बेडकरनगर	84.52	मजदूरी	MMM TU Gorakhpur	Electrical Engineering
रामजीवन शुक्ल	श्री सत्यप्रकाश शुक्ल	सीतापुर	84.61	मजदूरी	MMM TU Gorakhpur	Electrical Engineering

प्रथम बैच के सफल छात्र

अनुभव मिश्रा | अनुराग गौतम | शिवेन्द्र मौर्य | सूरज यादव | रामजीवन शुक्ल

इन्हीं 7 बच्चों ने दो वर्षों के अथक प्रयासों से एक अच्छा परिणाम देकर न्यास का मान बढ़ाया है। सत्र 2021 की IIT (JEE Mains) की परीक्षा में 5 छात्रों ने सफलता प्राप्त की जिसमें अनुराग गौतम ने 95.67 Percentile, अनुभव मिश्रा ने 94.78 Percentile, शिवेन्द्र मौर्य ने 86.47 percentile, सूरज यादव ने 84.52 Percentile और रामजीवन शुक्ल ने 84.61 Percentile प्राप्त किया। उपरोक्त सूची अनुसार तीन बालकों शिवेन्द्र, सूरज और रामजीवन ने MMM TU Gorakhpur में Electrical Engineering, अनुभव मिश्रा ने HBTU Kanpur में Etetronics और अनुराग गौतम ने NIT Delhi में Computer Science प्राप्त करके महामना शिक्षण संस्थान का गौरव बढ़ाया है। इन छात्रों को भाऊराव देवरस सेवा न्यास और महामना शिक्षण संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

उनकी यह सफलता उन जैसे अनेक छात्रों के लिए प्रेरणादायी होगी। अगले बैच के विद्यार्थियों के लिए यह प्रेरणा के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारण भी करेगा।

आगे के दो वर्षों में 20-20 छात्रों अर्थात 40 का चयन इस तैयारी के लिए हुआ जिनमें से 14 इंजीनियरिंग के लिए और 6 मेडिकल के लिए हैं। इन सभी छात्रों का सौभाग्य है कि गत 16 नवम्बर को न्यास के संस्थापक सदस्य और संघ के माननीय सह सरकार्यवाह डॉ कृष्णगोपाल जी इन सभी से मिलने के लिए आए। इस अवसर पर छात्रों का परिचय और जिज्ञासा समाधान के साथ साथ कल्प-वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी रहा। डॉ साहब ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी, रोबिक्स रोस्त्रम के निदेशक श्री आदित्य कुमार सिंह, संस्थान के सचिव श्री रंजीव तिवारी, संघ के अवध के सह-प्रान्त प्रचारक श्री मनोज जी, डॉ विनय कुमार गुप्त, श्री देवप्रकाश मिश्र, श्री निशांत शुक्ल और डॉ निखिल सिंह जी भी उपस्थित थे। बाद में संस्थान की प्रबंध कारिणी समिति के साथ डॉ साहब की बैठक संपन्न हुई जिसमें संस्थान की भावी गतिविधियों पर विचार विमर्श हुआ।

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प के माध्यम से 25 बालिकाएं मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। इन बालिकाओं के समग्र विकास की दृष्टि से समय समय पर भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन होता रहता है। 14 नवम्बर को एक ऐसी ही वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 20 बालिकाओं की भागीदारी रही। विषय था "क्या शिक्षा में लिंग भेद कोई भूमिका निभाता है" "Does gender play a role in education".

कुछ बालिकाओं को इसके पक्ष में और कुछ को विपक्ष में बोलना था। बालिकाओं ने बड़े सुन्दर ढंग से अपने विचार रखे।

बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु दिनांक 28 नवम्बर 2021 को "महिलाओं के लिए विधिक जागरूकता का महत्व" विषय पर एडवोकेट मोनिका शुक्लाजी ने ऑनलाइन माध्यम से छात्राओं को महिला अधिकार के बारे में संबोधित किया। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या, समान वेतन, दहेज प्रथा, शारीरिक उत्पीड़न इत्यादि विषयों पर बालिकाओं को जानकारी दी।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

न्यास की योजना से दिल्ली स्थित पॉवर ग्रिड विश्राम सदन का संचालन पिछले 4 वर्षों से किया जा रहा है। इस सदन की संचालन समिति के सदस्य श्री राजीव गुगलानी जी के पिताजी की 18 नवम्बर को प्रथम पुण्य तिथि थी। इस अवसर पर गुगलानी जी ने अपने पिता जी की याद में अक्षय सेवा प्रकल्प के माध्यम से 3 स्थानों पर होने वाले नियमित भोजन वितरण में से एक स्थान सफदरजंग एन्क्लेव में परिवार सहित आकर भाग लिया। उस दिन के भोजन की व्यवस्था अपने पिता की याद में गुगलानी परिवार की ओर से रही। इसके पश्चात विश्राम सदन में जाकर वहां रह रहे रोगियों व उनके सहयोगियों को भी भोजन वितरण किया। इस अवसर पर न्यास के कोषाध्यक्ष और अक्षय सेवा प्रकल्प के संयोजक श्री रामअवतार किला जी भी अपने पुत्र के साथ उपस्थित रहे।

गुगलानी परिवार ने अपने कर्तृत्व के माध्यम से हम सभी को यह सन्देश दिया कि हम सभी अपने परिवार में होने वाले किसी प्रसंग को समाज के बंधुओं के साथ मिलकर कैसे मना सकते हैं। उनके पिता जी की आत्मा को इस कार्य से असीम शान्ति मिली होगी।

कुछ दिन पूर्व भाऊराव देवरस सेवा न्यास के कोषाध्यक्ष और न्यास द्वारा संचालित अक्षय सेवा प्रकल्प के संयोजक श्री रामवतार किला जी ने अपने जन्मदिवस 13 नवम्बर 2021 को अक्षय सेवा प्रकल्प की योजना से होने वाले भोजन वितरण में अपने परिवार के साथ अपने हाथों से भोजन वितरण किया। न्यास के सभी कार्यकर्ता उनकी लम्बी आयु की कामना करते हैं और उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

यह दोनों उदाहरण हमें एक दिशा दिखाते हैं कि अपने घर के मंगल प्रसंगों या अपने पूर्वजों की स्मृति को समाज के साथ मनाने से जो आनंद की अनुभूति होती है उसे शब्दों में व्यक्त करना बहुत कठिन है।

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

देवभूमि उत्तराखंड में स्थित ऋषिकेश विश्राम सदन में सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले रोगियों व उनके सहायकों के लिए अस्पताल के निकट ही विश्राम सदन स्थापित करने की योजना न्यास के कार्यकर्ताओं ने की। इसका प्रमुख कारण है कि यहाँ उपचार के लिए आने वालों को अभी रहने इत्यादि के लिए बहुत अधिक राशि व्यय करनी पड़ती है। विशेषतः आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए तो यह बहुत ही कष्टकारी हो जाता है। इस कार्य के लिए पिछले काफी समय से न्यास एम्स ऋषिकेश के निकट ही उपयुक्त स्थान की तलाश कर रहा था। अथक परिश्रम के पश्चात न्यास को अस्पताल के निकट भूमि प्राप्त करने में सफलता मिली है। जल्द ही यहाँ पर भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ होगा। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भवन निर्माण का कार्य तीव्र गति से करते हुए हम विश्राम सदन का शीघ्र ही लोकार्पण कर सकेंगे।

देवभूमि ऋषिकेश में बनने वाले माधव सेवा विश्राम सदन की विशेषताएं

- माधव सेवा विश्राम सदन की वास्तुशिल्प संरचना 'पारंपरिक भारतीय स्थापत्य' के आधार पर है। यहाँ आने वालों को गंगा माँ के दर्शनों का लाभ भी यहाँ हो सके, भवन निर्माण में इसका भी ध्यान रखा जाएगा।
- इस भवन में 300 लोगों के ठहरने के साथ साथ भजन कीर्तन, सत्संग एवं ध्यान के लिए भी उचित स्थान की व्यवस्था रहेगी।
- विश्राम सदन के साथ साथ फिसियोथेरेपी और नेचुरोपैथी केन्द्रों की स्थापना की भी योजना है ताकि केंद्र में ठहरने के लिए आने वाले रोगियों को बहुत कम शुल्क में यह व्यवस्थाएं मिल सकें और इसके लिए उन्हें बाहर ना भटकना पड़े।

- सदन के विभिन्न खण्डों का उपयोग भिन्न भिन्न गतिविधियों यथा – पुस्तकालय, बैठक स्थल, स्वागत कक्ष, प्रतीक्षालय, सत्साहित्य केंद्र, सभागार, कार्यालय, रसोईघर, भोजन कक्ष, आगंतुक कक्ष, फिसियोथेरेपी इत्यादि के लिए किया जाना प्रस्तावित है।

आप सभी की शुभकामनाओं का ही परिणाम है कि ऋषिकेश में एम्स के निकट विश्राम सदन बनाने के लिए भूमि की लीज़ प्राप्त करने में न्यास को सफलता मिल गई है। शीघ्र ही भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। लगभग 400 लोगों के ठहरने की व्यवस्था यहाँ किए जाने के योजना है। साथ में ही मरीजों और उनके सहायकों के लिए फिजियोथेरेपी एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अन्य विश्राम सदनों की भांति यहाँ भी भोजन इत्यादि की सुविधा रहेगी।

आप सभी से अनुरोध है कि भवन निर्माण के इस पुनीत कार्य में अपनी आहुति देकर स्वयं को इस विश्राम सदन का हिस्सा होने के गौरव की अनुभूति करें।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन की स्थापना प्रस्तावित है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार ह्रदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या CSR00004454
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या AAATB1049GF20217
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या 136550134

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

समर्थ भारत

- **समर्थ भारत के प्रशिक्षार्थियों का LOOKS SALON में इंटरव्यू एवं चयन -** LOOKS SALON जो कि करोल बाग़ सेन्ट्रल दिल्ली का एक नामी और बड़ा सेलून है उसमें हमारे कुछ प्रशिक्षार्थी इंटरव्यू के लिए गए। हमारे जिन केन्द्रों में पहले बैच का प्रशिक्षण पूर्ण हो गया है उन सभी केन्द्रों से कुछ प्रशिक्षार्थियों को इस इंटरव्यू में भेजा गया था। इंटरव्यू 18 और 25 नवम्बर को हुए जिसमें कुल 13 प्रशिक्षार्थियों का चयन हुआ है। सभी प्रशिक्षार्थियों का चयन ब्यूटी असिस्टेंट के पद पर हुआ है। प्रारम्भ में इन सभी को 9000 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जायेगा।

चयनित 13 प्रशिक्षार्थियों का विवरण

- कोंडली मयूर विहार प्रशिक्षण केंद्र -
  1. वंशिका , 2. ज्योति, 3. लक्ष्मी, 4. गुड्डू, 5. भावना, 6. अंकिता, 7. शिवानी
- रघुबीर नगर प्रशिक्षण केंद्र - 1. रिया, 2. इन्द्रपाल कौर
- ब्रहमपुरी प्रशिक्षण केंद्र - 1. नीलम , 2. रचना, 3. संगीता
- मालवीय नगर प्रशिक्षण केंद्र - 1. अर्चना

- **बैठक - मदनपुर खादर, प्रियंका कैंप दिनांक – 14.11.2021 –** समर्थ भारत के प्रशिक्षण केन्द्रों की श्रंखला में नए केंद्र हेतु दिनांक 14 नवम्बर को मदनपुर खादर, प्रियंका कैंप में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा हुई तथा ब्यूटिशियन कोर्स हेतु महिलाओं को और एसी तथा हेयर स्टाइलिस्ट के कोर्स हेतु पुरुषों को जानकारी दी गयी तथा उन्हें प्रशिक्षण हेतु अपना पंजीकरण करवाने और बैच पूरा करवाने के लिए उनसे सहयोग के लिए भी आग्रह किया गया।

- **शिविर बाल्मीकि कैंप बेगमपुर मालवीय नगर 21 नवम्बर 2021 -** हेयर स्टाइलिस्ट तथा ब्यूटिशियन कोर्स के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षार्थियों के पंजीकरण के लिए दिनांक 21 नवम्बर 2021 को बाल्मीकी कैंप बेगमपुर में एक कैंप का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली प्रान्त कार्यवाह श्रीमान भारत भूषण जी भी उपस्थित रहे। इस कैंप के द्वारा समर्थ भारत के द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कोर्स के बारे में लोगों को जानकारी दी गयी जिससे प्रभावित होकर 6 पंजीकरण ब्यूटिशियन कोर्स हेतु तथा 10 पंजीकरण हेयर स्टाइलिस्ट कोर्स हेतु हुए।

- **नए केन्द्रों में प्रशिक्षण की शुरुआत –** समर्थ भारत के प्रशिक्षण केन्द्रों की श्रृंखला में दो और नए केन्द्रों में प्रशिक्षण प्रारम्भ हो गया है। एक केंद्र सेन्ट्रल दिल्ली में टैंक रोड करोल बाग में शुरू हुआ है जो कि बहुत बड़ा केंद्र है। इस केंद्र में हमारी सभी तरह की ट्रेनिंग दी जायेंगी, पर फिलहाल ब्यूटीशियन कोर्स का प्रशिक्षण शुरू हुआ है। पूर्वी दिल्ली में न्यू अशोकनगर में एक और केंद्र में प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ है जिसमें एसी और रेफ्रीजरेटर रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

समर्थ भारत रोजगार व कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाला अग्रणी संगठन है। हम सम्पूर्ण दिल्ली में अपने प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्रों के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को लाभांवित कर चुके हैं।

सभी आगामी प्रशिक्षण प्रारंभ तिथि, कार्यक्रम, विभिन्न कंपनियों में रिक्तियों एवं अन्य जानकारी के लिए समर्थभारत Telegram ग्रुप पर अवश्य जुड़ें।

https://t.me/samarthbnet

शोनाल गुप्ता
संयोजक, समर्थ भारत

नोट - समर्थ भारत के वर्तमान में 7 प्रशिक्षण केंद्र प्रारम्भ हो गए हैं और 5 नए केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु लैब तैयार करने और ट्रेनिंग के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करने का कार्य चल रहा है।

दीपावली उत्सव दिल्ली एवं लखनऊ

लखनऊ

दिल्ली

पावन स्मृति - दिसम्बर

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत है ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित है

दिनांक	दिवस	महापुरूष/घटना का नाम
3 दिसम्बर	जन्म-दिवस	भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
6 दिसम्बर	इतिहास स्मृति	राष्ट्रीय बाबरी कलंक का परिमार्जन
10 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	सोना खान का हुतात्मा वीर नारायण सिंह
11 दिसम्बर	जन्म-दिवस	रा.स्व. संघ के तृतीय सरसंघचालक मा. बाला साहब देवरस
12 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	लद्दाख का महान सेनापति जनरल जोरावर सिंह
15 दिसम्बर	इतिहास स्मृति	राष्ट्रीय अपमान का बदला साण्डर्स वध
19 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	काकोरी काण्ड के नायक पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल
19 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	काकोरी काण्ड का बलिदानीः अशफाक उल्ला खाँ
22 दिसम्बर	जन्म-दिवस	महान् गणितज्ञ श्री श्रीनिवास रामानुजन्
23 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	परावर्तन के अग्रदूत स्वामी श्रद्धानन्द
23 दिसम्बर	पुण्य-तिथि	विस्मृत विप्लवी गणेश घोष
24 दिसम्बर	जन्म-दिवस	खान अब्दुल गफ्फार खाँ (सीमान्त गान्धी)
25 दिसम्बर	जन्म-दिवस	हिन्दुत्व के आराधक पं० मदनमोहन मालवीय
27 दिसम्बर	जन्म-तिथि	काकोरी काण्ड का क्रान्तिकारी शचीन्द्रनाथ बख्शी
30 दिसम्बर	बलिदान-दिवस	मेघालय का क्रान्तिकारी वीर उक्यांग नागवा

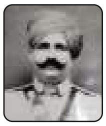

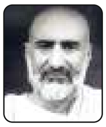

मेघालय के क्रांतिवीर उक्यांग नागवा

उक्यांग नागवा मेघालय के एक क्रान्तिकारी वीर थे। 18वीं शती में मेघालय की पहाड़ियों पर खासी और जयन्तिया जनजातियां स्वतन्त्र रूप से रहती थीं। इस क्षेत्र में 30 छोटे-छोटे राज्य थे। इनमें से एक जयन्तियापुर था। अंग्रेजों ने जब यहां हमला किया तो उक्यांग ने जनजातीय वीरों की सेना बनाकर जोनोई की ओर बढ़ रहे अंग्रेजों का मुकाबला किया और उन्हें पराजित कर दिया।अंग्रेजों ने वर्ष 1860 में सारे क्षेत्र पर दो रुपये गृहकर लगा दिया। जयन्तिया समाज ने इस कर का विरोध किया। उक्यांग ने योजना बनाकर एक साथ सात स्थानों पर अंग्रेज टुकड़ियों पर हमला बोला। सभी जगह उन्हें अच्छी सफलता मिली। यद्यपि वनवासी वीरों के पास उनके परम्परागत शस्त्र ही थे, पर गुरिल्ला युद्ध प्रणाली के कारण वे लाभ में रहे। अंग्रेजों ने पैसे का लालच देकर उसके साथी उदोलोई तेरकर को अपनी ओर मिला लिया। उन दिनों उक्यांग घायल थे और साथियों ने इलाज के लिए उन्हें मुंशी गांव में रखा हुआ था। उदोलोई ने अंग्रेजों को यह सूचना दे दी। अंग्रेजों ने घायल उक्यांग को पकड़ लिया। अंग्रेजों के अमानवीय अत्याचार भी उनका मस्तक झुका नहीं पाये। अन्ततः 30 दिसम्बर, 1862 को अंग्रेजों ने मेघालय के वनवासी वीर को सार्वजनिक रूप से जोनोई में ही फांसी दे दी।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद

(3 दिसम्बर 1884 – 28 फरवरी 1963)

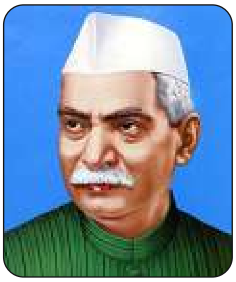

डॉ राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में 1946 एवं 1947 में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। सम्मान से उन्हें प्रायः 'राजेन्द्र बाबू' कहकर पुकारा जाता है।

राजेन्द्र बाबू का जन्म 3 दिसम्बर 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई नामक गाँव में हुआ था। उनके पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे एवं उनकी माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं। राजेन्द्र प्रसाद अपने पाँच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे इसलिए पूरे परिवार में सबके प्यारे थे।

1934 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गये। भारत के स्वतन्त्र होने के बाद संविधान लागू होने पर उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार सँभाला। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टान्त छोड़े जो बाद में उनके परवर्तियों के लिए उदाहरण बन गए। भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। 12 वर्षों तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के पश्चात उन्होंने 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की। उन्हें भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया।

महामना मदनमोहन मालवीय

(25 दिसम्बर 1861 - 12 नवंबर 1946)

महामना मदनमोहन मालवीय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। पत्रकारिता, वकालत, समाज सुधार, मातृ भाषा तथा भारतमाता की सेवा में अपना जीवन अर्पण करने वाले इस महामानव ने जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की उसमें उनकी परिकल्पना ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश सेवा के लिये तैयार करने की थी जो देश का मस्तक गौरव से ऊँचा कर सकें। मालवीय जी सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, देशभक्ति तथा आत्मत्याग में अद्वितीय थे। इन समस्त आचरणों पर वे केवल उपदेश ही नहीं दिया करते थे अपितु स्वयं उनका पालन भी किया करते थे। वे अपने व्यवहार में सदैव मृदुभाषी रहे। कर्म ही उनका जीवन था। अनेक संस्थाओं के जनक एवं सफल संचालक के रूप में उनकी अपनी विधि व्यवस्था का सुचारु सम्पादन करते हुए उन्होंने कभी भी रोष अथवा कड़ी भाषा का प्रयोग नहीं किया। भारत सरकार ने 24 दिसम्बर 2014 को उन्हें भारत रत्न से अलंकृत किया।

विभिन्न विश्राम सदनों में नवम्बर - 2021 की उपस्थिति

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर
1	जम्मू कश्मीर			7		
2	हिमाचल प्रदेश					1
3	पंजाब		3	8		3
4	हरियाणा			28		146
5	दिल्ली	4	4	5	7	37
6	उत्तराखंड	4	2	20		10
7	उत्तर प्रदेश	1581	830	224	8	127
8	बिहार	665	52	180	1088	22
9	झारखण्ड	57		21	23	
10	सिक्किम					1
11	नागालैंड					
12	असम					1
13	मणिपुर /मिजोरम			5		
14	अरुणाचल प्रदेश					
15	त्रिपुरा					1
16	मेघालय					
17	प. बंगाल	4	2	12	2	2
18	ओडिशा/अंदमान	7		4		1
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना					
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी					
21	कर्नाटक					
22	केरल					
23	महाराष्ट्र /गोवा		8			
24	मध्य प्रदेश	61		36		8
25	छत्तीसगढ़	15		17		
26	गुजरात			2		1
27	राजस्थान			34		17
28	अन्य	26				
	पड़ोसी देश					
29	नेपाल	6		6	5	
30	बांग्लादेश					
31	अन्य देश					
	योग (इस मास)	**2430**	**901**	**609**	**1133**	**378**
	योग (अप्रैल-नवम्बर 2021)	**15889**	**4253**	**2848**	**6859**	**502**
	एक दिन की औसत उपस्थिति	**249**		**199**	**108**	

कुल मुद्रित पृष्ठ की संख्या : 16

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र	नवम्बर	योग अप्रैल - नवंबर 2021
(सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा)	240	651
(51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब)	30	79
अम्बेडकर नगर	55	137
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर		
एलोपेथिक	395	1707
होम्योपैथिक	242	1700
रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	220	1699
कुल लाभान्वित रोगी	1182	6081

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

नवम्बर 2021 में दी गई सेवाएँ

	नवम्बर	योग अप्रैल - नवंबर 2021
नेत्र परीक्षण	406	2455
चश्मा वितरण	238	1587
मोतियाबिंद ऑपरेशन	5	5
पैथोलॉजी	8	116

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	सम्पर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600